ग्रामीण क्षेत्रों में उचित दर की दुकान

4697. **श्री युवराज :** क्या **कृषि और सिंचाई** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गेहूं, चावल, चीनी, मिट्टी का तेल आदि को निर्धारित कीमतों पर सप्लाई करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में उचित दर की दुकानें और यदि हां, तो उनकी संख्या कितनी है ;

(ख) मई, 1976 और मई, 1977 की उचित दरों में कितना अन्तर है ; और

(ग) क्या बरसात के दिनों में ग्रामीण क्षेत्रों में खेतिहर मजदूर जैसे कमजोर वर्ग के लोगों के लिए आवश्यक वस्तु की पर्याप्त व्यवस्था करने का प्रस्ताव है ; और यदि हां, तो कब तक ; और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला): (क) : निर्धारित मूल्यों पर गेहूं, चावल और चीनी का वितरण करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 1.87 लाख उचित मूल्य की दुकानें कार्य कर रही है। ग्रामीण इलाकों में मिट्टी का तेल बेचने के लिए लगभग 1.82 लाख खुदरा दुकानें है।

(ख) मई, 1976 से मई, 1977 की अवधि के दौरान सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों को निर्मुक्त किए गए चावल, गेहूं और मोटे अनाजों के केन्द्रीय निर्गम मूल्य में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है लेकिन नवम्बर, 1976 से माइलो का निर्गम मूल्य 86 रुपये से घटाकर 70 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है । कुल मिलाकर, विचाराधीन अवधि के दौरान उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से दी जाने वाली लेवी चीनी के खुदरा मूल्य में भी कोई परिवर्तन नहीं हुआ है । इसी प्रकार, मिट्टी के तेल का खुदरा बिक्री मूल्य निर्धारित करने की जिम्मेदारी सम्बन्धित राज्य सरकार/संघ राज्य शासित प्रदेश के प्रशासन की है । तथापि, केन्द्रीय सरकार द्वारा मई, 1976 से निर्धारित मिट्टी के तेल के मूल बिक्री मूल्य में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है ।

(ग) : राज्यों के अन्दर खाद्यान्नों और अन्य आवश्यक जिन्शों को वितरित करने की जिम्मेदारी राज्य सरकरों/संघ शासित प्रदेशों के प्रशासनों की है । केन्द्रीय स्टाक से खाद्यान्नों की पर्याप्त मात्रा दी जा रही है ताकि राज्य सरकारें वर्ष भर सार्वजनिक वितरण प्रणाली की सारी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समय पर प्रबन्ध कर सकें।

चावल का निर्यात

4698. **श्री ईश्वर चौधरी :** क्या **कृषि और सिंचाई** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लिए किन राज्यों ने चावल का निर्यात किया है और किन राज्यों को चावल का निर्यात करने की अनुमति दी गई है ;

(ख) गत दो वर्षों के दौरान कितने चावल का निर्यात किया गया और उससे कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गई ; और

(ग) प्रत्येक राज्य ने इस विदेशी मुद्रा का किस प्रकार उपयोग किया।

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) राज्य व्यापार निगम पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से वसूल किए गये बासमती चावल का निर्यात करता रहा है । राज्य व्यापार निगम अथवा किसी राज्य सरकार द्वारा चावल की किसी अन्य किस्म का निर्यात नहीं किया जाता है ।